श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

तृतीय वर्ष - अभ्यास - ६

नवम्बर 2024

गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना: १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा। २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें। ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे। ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोड़ना नहीं है, जोड़ने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे। ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे। ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है। ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगे, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा। ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. आत्म उत्थान में ..... आरोहण में केवल भाव का प्राधान्य है।
२. उनपचास दिन का उत्कृष्ट आयुष्य..... का होता है।
३. संवेग की प्राप्ति..... से होती है।
४. सिद्धसेन दिवाकरसूरिजी ने ..... से वो द्रव्य अंगीकार नहीं किया।
५. नासिका के अग्रभाग पर दृष्टि स्थिर रखना ही..... है।
६. आत्महित और संपति को प्राप्त कराने वाला..... का नामोच्चार जय पाता है।
७. सम्यक् चारित्रवाले साधु को..... है।
८. बाण कवि का शरीर..... ने कोढ दूर करके सुवर्ण कांति जैसा कर दिया।
९. जहाँ जितने जीवों का ..... में जन्म होता है उतने ही जीव मरण को प्राप्त करते हैं।
१०. ध्यान की प्रथम सफलता ..... है।
११. साधना में आगे बढते जीव स्वयं के जीवन में..... भाव को प्राप्त करते हैं।
१२. ये वन के ..... हमारे साक्षी हैं।
१३. ज्योतिषी का एक लाख वर्ष अधिक..... का आयुष्य होता है।
१४. मन की प्रवृति से ..... होती है।
१५. चमत्कार देख कर राजा तथा सभा के ज्यादातर लोग जो जैनो के द्वेषी थे वो भी ..... हुए।
१६. तद्हेतु और अमृतानुष्ठान..... है।
१७. सूत्र के शब्द और अर्थ का परस्पर योग करना वह ..... कहलाता है।
१८. श्री राजाओं के ..... में शांति हो।
१९. एक समय में स्थावर.....उत्पन्न होते हैं।
२०. अवंति सुकुमार ने गुरु की आज्ञा लेकर..... में अनशन किया।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. प्राणायाम के अभ्यास के बलपर वायु को नाभिकमल से धीरे धीरे प्रयत्नपूर्वक बहार निकालना कौनसा प्राणायाम हैं ?
२. सिद्धसेन दिवाकरसूरि विहार करके ओंकारपुर आये तब वहाँ किनका बहुत जोर था ?
३. द्रव्य से और भाव से यथाशक्ति दुःखियों के दुःख को दूर करने की इच्छा क्या कहलाती है ?
४. पदार्थ के विशेष धर्म का व्यापार वह क्या है ?
५. सिद्धसेन को स्वयं की बुद्धि का अभिमान किससे था ?
६. तीन दिन का आयुष्य किसका होता है ?
७. लोक संज्ञा अथवा ओघ संज्ञा से कैसे अनुष्ठान होते है ?
८. क्षपक श्रेणी वाला साधु शुक्ल ध्यान का प्रारंभ किस ध्यान से करता है ?
९. श्री मानतुंगाचार्य भक्तामर स्तोत्र की गाथा कौनसी शक्ति से बनाते गये ?
१०. बृहद शांति के रचयिता ने किससे शांति की प्रार्थना की है ?
११. समृद्धि वगैरह की इच्छा से किया गया धार्मिक अनुष्ठान किसका नाश करता है ?
१२. जिस ध्यान में अंतरंग विचारणा रुप ध्वनि होती है वह कौनसा ध्यान है ?
१३. अवंति सुकुमाल ने किसके मुख से नलिनी गुल्म विमान का वर्णन सुना ?
१४. ऐसा कौनसा आशिर्वाद देना योग्य नहीं, जो नारकी के जीवो में भी है ?
१५. पृथ्वीकायादि दस पदो की जघन्य से आयुष्य स्थिति कितनी होती है ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१) आउंटिई २) दिशतु ३) स्कंधाः ४) तित्तिसा ५) तेषाम् ६) सग्ग ७) श्रेण्यारोहे ८) तदुच्यते ९) श्रीमान १०) उक्किट्ठ ११) मोहस्य १२) संहनन १३) अहियं १४) पयाणं १५) क्षपयंयाति १६) निस्सरन्तं १७) रिष्ट १८) वासुण १९) बाधते २०) सम्पादित

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) अंतरंग आत्मभाव	१) अनशन	६) चमरी	६) श्रुत अज्ञान
२) ग. तिर्यंच	२) अग्निकुंड	७) सूर्य देवता	७) निर्वेद
३) कायोत्सर्ग	३) गुण	८) विकलता	८) सवितर्क ध्यान
४) प्रतिष्ठानपुर	४) चरणो	९) पीतवर्ण	९) प्रीति अनुष्ठान
५) गोष्ठिक	५) मूर्च्छा	१०) ज्ञानपूर्वक	१०) जनपद

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. शुक्लध्यान कितने विशेषणों से युक्त है ?
२. व्यंतर देवो की जघन्य आयु स्थिति कितने वर्ष की होती है ?
३. सिद्धसेन सूरि को कितने वर्ष के प्रायश्चित के पश्चात गच्छ में पुनः ले लिया गया ?
४. असद अनुष्ठान कितने हैं ?
५. ग. तिर्यंच नारकी देवो की दंडक संख्या कितनी है ?
६. "शांति हो" ऐसी प्रार्थना कितनो के लिये की गई है ? संख्या लिखो ।
७. विक्रमादित्य राजा ने सिद्धसेन दिवाकर सूरि को कितनी स्वर्णमुद्रा भेंट की ?
८. अध्यात्मसार ग्रंथ मे कितने अनुष्ठान बताये गये हैं ?
९. जीव कितनी कर्म प्रकृतिओ का क्षय करके आठवाँ गुणस्थानक प्राप्त करता है ?
१०. विक्रम राजा ने अवंति पार्श्वनाथ की पूजा के लिये कितने गांव भेंट में दिये ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (x) बताओ - १०

१. आहार, आसन, निद्रा इन तीन को जो जीतता है वही ध्यान कर सकता है ।
२. एक समय में अनंत जीवों के जन्म मरण होते हैं ।
३. इस लोक की किसी भी इच्छा से किया गया धार्मिक अनुष्ठान गर अनुष्ठान कहलाता है ।
४. विद्याधर गच्छ के श्री पादलिप्त सूरि के पास कुमुद नाम के विप्र ने वृद्धपने में दीक्षा ली ।
५. जिनके घर घर में शांतिनाथ पूजे जाते हैं, उन्हे सदा शांति ही रहती है ।
६. राजा की प्रार्थना से नगरजनो की प्रशंसा पाते हुए पालखी में बैठकर गुरु दरबार में आने लगे ।
७. यहाँ पर प्राणायाम का जो स्वरुप बताया है, वह तो व्यवहार मात्र है ।
८. पूर्वभव की अपमानित स्त्री मरकर वहाँ सियारनी बनी थी ।
९. सिद्धीयोग से प्रशमभाव की प्राप्ति होती है ।
१०. भोजराजा की उज्जैनी नगरी में बाण और मयुर नाम के दो पंडित रहते थे ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. यह जोर जोर से बोलकर पूरा दिन रट - रट करते हैं, तो ये क्या मुसल फुलायेंगे ?
२. अननुष्ठान केवल कायकष्टरुप है ।
३. अपेक्षा से कहा जाता है कि संसार के कार्यों से शुध्द ध्यान संभावित नहीं ।
४. प्राचिनकाल में विद्वद् मंडली को गोष्ठि के रुप में पहचानने का रिवाज था ।
५. संवेग पाने वाले जीवों को देवलोक के सुख भी दुःख रुप लगते हैं ।
६. महाराज मेंढक का भक्षण करने वाले चतुर ऐसे सर्प बहुत हैं, पर धरती को धारण करनेवाला शेषनाग तो एक ही है ।
७. मनुष्य नियम से संख्याता उत्पन्न होते हैं ।
८. सूत्र के शब्द और अर्थ का परस्पर योग करना वह संक्रम कहलाता है ।
९. राजा और राज्यसभा और अनेक लोगों ने यह चमत्कार देखा ।
१०. क्षपक श्रेणी वाले साधक को केवलज्ञान प्राप्ति में नियम से भाव की ही मुख्यता है ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. प्राणायम स्वरुप २) मयूर कवि के द्वारा बाण कवि का अपमान और बाण कवि की सिद्धी
३. योगस्वरुप सदनुष्ठान ४) अयोग द्वार ५) वृद्धवादि सूरि की सिद्धी

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com